प्रेस विज्ञप्ति

आईआईएमए में ईपीजीडी-एबीए 2022-2023 बैच के लिए विशेष दीक्षांत समारोह का आयोजन

10 फरवरी, 2024 : भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) ने आज परिसर में **उन्नत व्यापार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (**ईपीजीडी-एबीए**) **2022-2023** बैच के प्रतिभागियों के लिए एक विशेष दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता आईआईएमए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री पंकज आर. पटेल ने की, जो ज़ाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड के अध्यक्ष भी हैं। इस समारोह में उनके साथ आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर; मुख्य अतिथि श्री श्रीकांत वेलमकन्नी, सह-संस्थापक, समूह के मुख्य कार्यकारी एवं उपाध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, डीन, कार्यक्रम अध्यक्ष, संकाय सदस्य, अन्य लोग भी शामिल थे।

इस वर्ष ईपीजीडी-एबीए पाठ्यक्रम से कुल 37 छात्रों ने *एडवांस्ड बिजनेस एनालिटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा* पूर्ण किया। डिग्रियों का विवरण प्रोफेसर अर्नब लाहा, अध्यक्ष (ईपीजीडी-एबीए) द्वारा पढ़ा गया और श्री पंकज पटेल द्वारा स्नातकों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

उपस्थितों को संबोधित करते हुए, **आईआईएमए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन, श्री पंकज आर. पटेल** ने कहा, "वर्तमान परिदृश्य में, किसी संगठन की ऐसे प्रतिस्पर्धी बाज़ार में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता काफी हद तक बड़े डेटा का उपयोग और प्रबंधन करके प्रमुख बाधाओं से निपटने की क्षमता से निर्धारित होगी। हालाँकि, इस क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की भारी कमी के कारण कई संगठन इस बदलाव का लाभ उठाने में विफल हो रहे हैं जो इस डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि निकाल सकते हैं।

आपके लिए इससे अधिक उपयुक्त क्षण नहीं हो सकता। जैसे ही आप इन गलियारों से बाहर निकलेंगे, आप हर प्रकार के उपकरणों से सुसज्जित अपने मैदान पर लौटते हैं जो आपको अप्रत्याशित, लगातार विकसित हो रहे व्यावसायिक परिदृश्य को नेविगेट करने में मदद करेगा, जो आपको कल की व्यावसायिक दुनिया के गेम-चेंजर बनने के लिए सशक्त बनाएगा।"

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, सह-संस्थापक, समूह मुख्य कार्यकारी और उपाध्यक्ष श्री श्रीकांत वेलमकन्नी ने स्नातक बैच के साथ अपने अनुभव साझा किए। छात्रों को सलाह देते हुए, श्री वेलमकन्नी ने कहा, "हम अभूतपूर्व समय में रह रहे हैं। हम एआई के युग में रह रहे हैं - काम का भविष्य हमने अब तक जो देखा है उससे अलग होगा। हमें अप्रत्याशित की उम्मीद करनी चाहिए। काम का "क्यों, क्या और कैसे" अब तक जो देखा गया है उससे अलग होगा। श्री वेलमकन्नी ने कहा कि पेशेवरों को अपने काम में अधिक अर्थ और उद्देश्य तलाशने और बड़े सपने देखने की जरूरत है।

"काम स्वचालित हो जाएगा। मनुष्य के रूप में हम वर्तमान में जो बहुत से कार्य करते हैं उनमें से बहुत से कार्य हमें मानवेतर, अमानवीय या अत्यधिक खतरनाक लगेंगे। हम एक-दूसरे के साथ कैसे जुड़ेंगे, हम कैसे सीखेंगे, हम कैसे निर्णय लेंगे और हम जानकारी के साथ कैसे जुड़ेंगे, यह बदल जाएगा। जैसे ही आप इस दुनिया में कदम रखते हैं और पचास साल का करियर बनाते हैं, आप बेदाग नैतिक स्पष्टता के साथ दुनिया का नेतृत्व करें। और विश्लेषणात्मक रूप से कहें तो - आपकी त्रुटियां हमेशा यादृच्छिक हों, आपके पूर्वाग्रह न्यूनतम हों, और आपके आत्मविश्वास का अंतराल बिल्कुल सही हो। और क्या आप नए डेटा को शामिल कर सकते हैं और अपने मॉडलों को अक्सर संशोधित कर सकते हैं," बोलते हुए उन्होंने विराम लिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, **आईआईएमए के निदेशक, प्रोफेसर भारत भास्कर ने** कहा, "व्यवसाय बदल रहे हैं, जिसमें डेटा-संचालित निर्णय-प्रक्रिया केंद्र में है। एबीए कार्यक्रम को वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं द्वारा सावधानीपूर्वक डिजाइन और मजबूत किया गया है ताकि प्रतिभागियों को उद्योग की चुनौतियों का यथार्थवादी दृष्टिकोण प्राप्त हो सके और ऐसे समाधानों पर पहुँचा जा सके जो व्यापार पर स्थायी प्रभाव डाल सकें। जैसा कि आज एक विश्लेषणात्मक लहर चल रही है, तब मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप अपने निर्णयों के मूल में नैतिकता रखें और बड़े पैमाने पर समाज को लाभ पहुँचाने के लिए अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करें। मैं आपके करियर में सफलता और पूर्णता की कामना करता हूं।

ई-पीजीडी एबीए पाठ्यक्रम कामकाजी व्यवसायियों के लिए एप्लाइड एनालिटिक्स में 16 महीने का पाठ्यक्रम है और इसे विशेष रूप से कुशल एनालिटिक्स व्यवसायियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो व्यावसायिक समस्याओं के लिए अत्याधुनिक समाधान प्रदान कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है क्योंकि यह उम्मीदवारों को अपने काम से ब्रेक लिए बिना एप्लाइड एनालिटिक्स सीखने की सुविधा देता है। यह ऑनलाइन और ऑन-कैंपस अनुभवात्मक मॉड्यूल के सावधानीपूर्वक संतुलित मिश्रण के

माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें कठोर कोर्सवर्क, पीयर-टू-पीयर लर्निंग और कैपस्टोन परियोजनाएँ शामिल हैं - सभी को एक व्यापक पाठ्यक्रम में बुना गया है जो कामकाजी व्यवसायियों के व्यस्त कार्यक्रम को समायोजित करता है।